

वेधगीत २०१७ : पुणे आणि परभणी

मनकी धूनमें मगन रहो तो
सुखदुखसे क्या लेना देना
घनी रात या नया सवेरा
आँसमानको बस है छूना ॥ धृ. ॥

कोरस : अपनी धूनमें मगनही रहना
अपनी धूनमें मगनही रहना
धडकेगा ये कभी कभी दिल
राह बनेगी मुश्किल मुश्किल
खुदासे ज्यादा खुदपे भरोसा
हर कठीनाई आना जाना ॥ १ ॥

कोरस : अपनी धूनमें मगनही रहना
अपनी धूनमें मगनही रहना
कदम कदम है नन्ही मंझिल
साथ नहीं है कोई बुझदिल
मनमें ज्योति जाग उठी तो
भूल गये हम रोना धोना ॥ २ ॥

कोरस : अपनी धूनमें मगनही रहना
अपनी धूनमें मगनही रहना
ढले न पलभर लक्ष्यसे नजर
मायूसीसे रहे बेखबर
हँसते हँसते मान लिया अब
आँधी और तुफाँका होना ॥ ३ ॥

कोरस : अपनी धूनमें मगनही रहना
अपनी धूनमें मगनही रहना
मनकी धूनमें मगन रहो तो
सुखदुखसे क्या लेना देना
घनी रात या नया सवेरा
आँसमानको बस है छूना

कोरस : अपनी धूनमें मगनही रहना
(आलापी और कोरस)